

न लें अव्य. (तत्.) नहीं तो। उदा. समय से काम कर लें, अन्यथा पछताना होगा।

अन्यथाकारिता स्त्री. (तत्.) सामान्य कार्य की अपेक्षा विपरीत, विषम, कार्य करने की प्रवृत्ति।

अन्यथानुपपत्ति स्त्री. (तत्.) [अन्यथा+अनुपपत्ति (अन्:उपपत्ति)] 1. किसी वस्तु के अभाव में किसी अन्य हेतु द्वारा किसी वस्तु की स्थिति का निश्चय न हो पाना 2. किसी वस्तु की अभावात्मक स्थिति में अन्य वस्तु की संभावना की स्थिति न होना 3. मेल न मिलना, असंगति।

अन्यथाभाव पुं. (तत्.) [अन्यथा+भाव] 1. किसी अन्य तरह से होने का भाव 2. भिन्न रूप में होने की स्थिति, अत्यरूप 3. परिवर्तन, अदल-बदल

अन्यथावादी वि. (तत्.) [अन्यथा+वादी] 1. मिथ्यावादी 2. असत्य/झूठ बोलने वाला 3. जिसका सत्य से इतर बोलने का स्वभाव या प्रवृत्ति हो।

अन्यथा सिद्धि स्त्री. (तत्.) दर्श. 1. किसी बात को गलत ढंग से प्रमाणित करने की क्रिया 2. तर्क. न्याय दर्शन. में एक प्रकार का दोष जिसमें यथार्थ कारण न दिखाकर अपितु कोई अन्य कारण दिखलाकर किसी विषय की सिद्धि की जाय।

अन्यदा क्रि.वि. (तत्.) 1. किसी अन्य समय पर 2. दूसरी अवसर पर 3. अन्य किसी दशा में 4. कभी एक बार।

अन्यदीय वि. (तत्.) 1. किसी अन्य का, दूसरे का 2. जो पराया हो, जैसे- अन्यदीय परिधान।

अन्यदेशी वि. (तत्.) 1. ऐसा विदेशी नागरिक जिसने विद्यमान देश की नागरिकता नहीं ली हो 2. विदेशी।

अन्य पक्ष पुं. (तत्.) किसी घटना या दुर्घटना के घटने पर वह पक्ष (या व्यक्ति) जो उस घटना से प्रत्यक्षतः प्रभावित हो जाए।

अन्य पिछड़े वर्ग पुं. (तत्.) वे जातियाँ या वर्ग जिन्हें आर्थिक या सामाजिक स्थिति आदि की

दृष्टि से सामान्य स्तर से कम स्तर का माना जाए किंतु अनुसूचित जातियों से ऊँचे स्तर का।
OBC-other backward classes

अन्य पुरुष पुं. (तत्.) 1. दूसरा आदमी 2. (पुरुषवाची सर्वनाम) उत्तम पुरुष (वक्ता) तथा मध्यम पुरुष (श्रोता) को छोड़कर अन्य अर्थात् प्रथम पुरुष (कथन का विषय) वह पुरुष जिसके विषय में चर्चा की जा रही हो, यथा- यह, वह, ये 3. गैर, पराया।

अन्यपुष्ट वि. (तत्.) 1. जो अन्य के द्वारा पालित-पोषित हो 2. (स्त्री.) कोयल।

अन्यपुष्टा वि.स्त्री. (तत्.) [अन्य+पुष्टा] जिसका दूसरों के द्वारा पालन-पोषण हुआ हो, कोकिल।

अन्यमनस्क वि. (तत्.) जिसका मन कहीं अन्य लगा हो, अनमना, उदास, जो मन में किसी अन्य बात, घटना, प्रिय व्यक्ति का स्मरण आदि का चिंतन करने में मग्न होने के कारण अनवधानता की स्थिति में हो, बेमना, अनमना, उदास।

अन्यमनस्कता स्त्री. (तत्.) अनमनापन, प्रस्तुत व्यक्ति या विषय में मन न लगने का भाव, उदासीनता।

अन्यमना वि. (तत्.) उदास, अनमना, खिन्न दे. अन्यमनस्क।

अन्यमातृज पुं. (तत्.) दूसरी या सौतेली माता से उत्पन्न, सौतेला भाई।

अन्यसंक्राम्यता स्त्री. (तत्.) भूमि, भवन या संपत्ति या किसी अधिकार के किसी अन्य को हस्तांतरित हो सकने की स्थिति।

अन्यसंभोगदुःखिता स्त्री. (तत्.) साहि. नायिका का एक भेद जो अपने प्रिय द्वारा किसी अन्य स्त्री के शरीर पर किये गए रति चिह्नों को देखकर आक्रोशपूर्ण दुःख व्यक्त करने वाली होती है।

अन्यान्य वि. (तत्.) अन्य, अनेक अन्य स्थिति।